Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

POs :

1) छात्रों को सृजनशील बनाना।
2) छात्रों को साहित्य के माध्यम से हिंदी का समय ज्ञान प्राप्त करवाना।
3) छात्रों को हिंदी भाषा के मानक एवं शुद्ध लेखन कार्य में निपुण बनाना।
4) छात्रों को हिंदी भाषा का औपचारिक एवं अनौपचारिक भाषा की शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनाना।
5) छात्रों को हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत करवाना।
6) छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।

PSO :

1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकारों के साहित्य से परिचय करना।
2. लोकजागरण एवं लोकमंगल का काव्य |
3. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक अभिव्यजना की वृद्धि ।
4. रचनात्मक लेखन करवाना |

Part B

Programme : M.A. 1, Hindi Semester-I & II

Sr. No.	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods	Credits
1	RM		अनुसंधान पद्धति और बौद्धिक संपदा अधिकार **(Research Methodology and Intellectual Property Right)**	60	4
2	DSC I.1	2041	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	60	4
3	DSC II.1	2042	हिंदी साहित्य का इतिहास	60	4
4	DSC III.1	2043	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60	4
5	DSE -1. A / B / C / D	2044 OR	विशेष अध्ययन: (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) :प्रेमचंद	60	4
		2045 OR	विशेष अध्ययन: (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ब) :जयशंकर प्रसाद	60	
		2046 OR	विशेष अध्ययन (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)(क) :प्रयोजनमूलक हिन्दी	60	
		2047 OR	विशेष अध्ययन (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ड) :दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	60	
6	DSC I.1 Tutorial		लोक साहित्य	30	2
7	DSE 2.D Tutorial		हिन्दी साहित्य और सिनेमा	30	2

सूचना -

1. R.M. अनिवार्य है।
1. DSC अनिवार्य रहेंगे।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र हैं।
3. DSC-I.1-Tutorial प्रथम सत्र के लिए रहेंगा।
4. DSE-2.D Tutorial द्वितीय सत्र के लिए रहेंगा।

Employability Potential of the Programme :

साहित्य किसी संस्कृति के ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन मानव जीवन के रहनसहन व अन्य गतिविधियों को आसानी से जाना जा सकता है तथा साहित्य के माध्यम से ही हम अपने मूल्यों की विरासत को सीख सकते हैं। इस संदर्भ में हिंदी साहित्य का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है। हिंदी साहित्य के मुख्यत तीन काल आदिकाल मध्यकाल और आधुनिक काल पर दृष्टिपात करने से हिंदी साहित्य की गरिमा दृष्टिगत होती है जो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के उद्धरण से सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा है परिवर्तन यदि उन्नति है तो निश्चित ही हमें आगे बढ़ते जाना है किंतु मुझे तो पूर्व के सीधे-सच्चे भाव ही भाँते है।" अर्थात काल के अनुसार साहित्य में परिवर्तन हो रहा है किंतु उसमें निहित मूल्यों को चीरस्थायी रखते हुए हमने उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए यहि हिंदी साहित्य के अध्ययन का लक्ष्य रहा है।

हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र के व्यक्तित्व का सर्वागीण विकास होकर वह समाज एवं राष्ट्र R.M.Rका सुदृढ़ नागरिक बन सकता है साथ ही छात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने जीवनयापन के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते है जो निम्नांकित है-

1) छात्र रचनात्मक लेखन में निपुण होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
2) छात्र नेट, सेट तथा एम पेट परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं।
3) छात्र दुभाषिए के पद पर कार्य कर सकते हैं।
4) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
5) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी विज्ञापन लेखन में निष्णांत हो सकते हैं।
6) छात्र अनुवाद के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
7) छात्र हिंदी प्रूफ-रीडर के पद पर कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं।
8) इस पाठ्यक्रम से छात्र देश तथा विदेशों में हिंदी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।
9) छात्र नवीनतम अनुसंधान के लिए प्रेरित होकर कार्य कर सकते हैं।

संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

विद्याशाखा : मानवविज्ञान

(**Faculty: Humanities)**

शैक्षणिक वर्ष : **2023-24**

दो वर्षीय चार सत्रों का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एनईपी आवृत्ती 2023)

Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23

पाठ्यक्रम : **एम. ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष सत्र - प्रथम**

Syllabus: Programme : M.A. Hindi First Year Semester - I

अनुसंधान -प्रस्तावना :-

मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण मानव प्रगति में अनुसंधान का सर्वाधिक महत्त्व रहा है। मानव के समक्ष प्रकृति और समय निरंतर चुनौतियां प्रस्तुत करते रहे हैं, उन्हें दूर करने के लिए मानव तर्क एवं प्रयोग के द्वारा अनुसंधान कर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है।

अनुसंधान वह क्रमबद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग द्वारा वर्तमान ज्ञान का परिमार्जन, विकास अथवा किसी नए तथ्य की खोज द्वारा ज्ञानकोश में वृद्धि की जाती है। वेस्टर के अंतरराष्ट्रीय शब्दकोश के अनुसार "अनुसंधान केवल सत्य के लिए खोजमात्र नहीं है अपितु यह दीर्घकालीन सघन और सादृश्य संधान है।"

अनुसंधान-प्रक्रिया में शोधकर्ता किसी तथ्य को बार-बार देखता है और उसके आधार पर निष्कर्ष निकालता है। शोध-कार्य द्वारा चरों का सहसंबंध ज्ञात किया जाता है। प्रयोगात्मक शोध से कारण-प्रभाव, सहसंबंध तथा सर्वेक्षण शोध-कार्य द्वारा सामान्य सहसंबंध ज्ञात किया जाता है।
विकासात्मक शोध-कार्य में चरों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाता है। ऐतिहासिक शोधकार्यों में नवीन तथ्यों की खोज की जाती है।

अनुसंधान की प्रक्रिया वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ व्यवस्थित तथा सुनियोजित होती है।इस प्रक्रिया से नवीन ज्ञान की वृद्धि एवं विकास किया जाता है। इस कार्य में गुणात्मक तथा परिणामात्मक प्रदत्तों की व्यवस्था की जाती है और उनका विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। शोध-कार्य का आलेख शोध-प्रबंध सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। प्रत्येक शोध-कार्य की अपनी विधि एवं प्रविधियां होती हैं,जो शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती है।इस प्रक्रिया में प्रदत्तों के आधार पर परिकल्पनाओं की पुष्टि की जाती है। इससे व्यक्तिगत पक्षों, भावनाओं तथा विचारों को महत्व दिया जाता है।

Cos: प्रश्नपत्र की निष्पत्ति -

1) अनुसंधान का अर्थ,स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट होगा।
2) अनुसंधान की विभिन्न पद्धति एवं अनुसंधान की समस्याओं के अनुसार विशेष पद्धति का विनियोजन कर सकेंगे।
3) अनुसंधान पद्धति का आकलन करने से शोध में अभिरुचि एवं गतिशीलता प्राप्त होगी।
4) आसपास एवं प्राप्त जानकारी की ओर चिकित्सक, विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
5) अनुसंधान कार्य में नवीन तथ्यों को खोज कर, नए ज्ञान की प्राप्ति होगी।
6) उपलब्ध संसाधनों से सत्य की खोज होगी तथा छिपा हुआ सत्य ज्ञात होंगा।
7) पीएच्.डी. के लिए और शोध प्रकल्प प्रदान करनेवाली संस्थाओं के प्रकल्प के लिए ज्ञान का लाभ होगा।
8) समस्याओं का निराकरण होगा।
9) बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व प्राप्त कर सकेंगे।

1) **प्रश्नपत्र (**MS11)

अनुसंधान पद्धति और बौद्धिक संपदा अधिकार

(Research Methodology and Intellectual Property Right)

कुल श्रेयांक : 4 (Credits : 4)

शोध-प्रस्तावना :-

मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण मानव प्रगति में अनुसंधान का सर्वाधिक महत्त्व रहा है। मानव के समक्ष प्रकृति और समय निरंतर चुनौतियां प्रस्तुत करते रहे हैं, उन्हें दूर करने के लिए मानव तर्क एवं प्रयोग के द्वारा अनुसंधान कर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है।

अनुसंधान वह क्रमबद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग द्वारा वर्तमान ज्ञान का परिमार्जन, विकास अथवा किसी नए तथ्य की खोज द्वारा ज्ञानकोश में वृद्धि की जाती है। वेस्टर के अंतरराष्ट्रीय शब्दकोश के अनुसार "अनुसंधान केवल सत्य के लिए खोजमात्र नहीं है अपितु यह दीर्घकालीन सघन और सादृश्य संधान है।"

शोध-प्रक्रिया में शोधकर्ता किसी तथ्य को बार-बार देखता है और उसके आधार पर निष्कर्ष निकालता है। शोध-कार्य द्वारा चरों का सहसंबंध ज्ञात किया जाता है। प्रयोगात्मक शोध से कारण-प्रभाव, सहसंबंध तथा सर्वेक्षण शोध-कार्य द्वारा सामान्य सहसंबंध ज्ञात किया जाता है।विकासात्मक शोध-कार्य में चरों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाता है। ऐतिहासिक शोधकार्यों में नवीन तथ्यों की खोज की जाती है।

अनुसंधान की प्रक्रिया वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ व्यवस्थित तथा सुनियोजित होती है।इस प्रक्रिया से नवीन ज्ञान की वृद्धि एवं विकास किया जाता है। इस कार्य में गुणात्मक तथा परिणामात्मक प्रदत्तों की व्यवस्था की जाती है और उनका विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। शोध-कार्य का आलेख शोध-प्रबंध सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। प्रत्येक शोध-कार्य की अपनी विधि एवं प्रविधियां होती हैं,जो शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती है।इस प्रक्रिया में प्रदत्तों के आधार पर परिकल्पनाओं की पुष्टि की जाती है। इससे व्यक्तिगत पक्षों, भावनाओं तथा विचारों को महत्व दिया जाता है।

Programme: M.A. Hindi, Semester-1

Title of the Course/Subject	**(Total Number of Periods)**
अनुसंधान पद्धति और बौद्धिक संपदा अधिकार **(Research Methodology and Intellectual Property Right)**	60

Unit **इकाई**	**Syllabus** **प्रश्नपत्र के घटक (Components of the question paper)**	**Total Periods** **कुल तासिकाएँ**
इकाई 1	❖ शोध: परिचय (Research: Introduction) : ○ शोध: व्युत्पत्ति (Research: Derivation) ○ अर्थ, परिभाषा, स्वरूप (Meaning, Definition,Nature) ○ क्षेत्र (Area) विशेषताएं, सीमाएं,नियम (Characteristics, Limitations, Regimen) ○ अनुसंधानकर्ता के गुण (Researcher's Qualities)	12 तासिकाएँ
इकाई 2	❖ शोध पध्दति एवं प्रकार (Research Methodology and Types) :- ○ परिमाणात्मक पद्धति(Quantitative Method) ○ गुणात्मक पद्धति(Qualitative Method) ○ शोध प्रकार (Research Type)	12 तासिकाएँ
इकाई 3	❖ अनुसंधान प्रक्रिया के चरण (Steps of Research Process) :- ○ समस्या चयन (Problem Selection)	12 तासिकाएँ

	○ परिकल्पना का प्रतिपादन (Rendering of Hypothesis) ○ शोध रुपरेखा (Research Design) ○ आंकडों/डाटा का संकलन (Data Collection) ○ प्रदत्तों का विश्लेषण (Data Analysis) ○ सामान्यीकरण तथा निष्कर्षों का प्रतिपादन (Popularization And Rendering of Conclusion)	
इकाई 4	❖ अनुसंधान विधियाँ (Research Methods) : ○ ऐतिहासिक अनुसंधान (Historical Research) ○ वर्णनात्मक अनुसंधान (Descriptive Research) ○ प्रयोगात्मक अनुसंधान (Experimental Research) ○ क्रियात्मक अनुसंधान (Actionable Research) ○ अन्तर अनुशासनात्मक अनुसंधान (Inter-Disciplinary Research)	12 तासिकाएँ
इकाई 5	अ) बौद्धिक संपदा कॉपीराइट के अधिकार (Intellectual Property Copy Rights) ○ कॉपीराइट मूलभूत संकल्पना, अर्थ और परिभाषा (Copyright Basic Concept, Meaning and Defination) ○ कॉपीराइट का परिचय और उपयोगिता (Introduction of Copyright and Utility) कॉपीराइट के प्रकार (Types of Copyright) ○ कॉपीराइट का कार्य (Work of Copyright) ○ कॉपीराइट के आवश्यक घटक (Essential Components of Copyright) ○ भारत में कॉपीराइट अधिनियम (Copyright act in India) ..... ब) अनुसंधान के साधन (Resource of Research) ○ संदर्भ ग्रंथ, समीक्षा ग्रंथ (Reference Books & Review Books) ○ पत्र-पत्रिकाएं Scholarly Publications (Journals) ○ समाचार,साप्ताहिक, पत्र-पत्रिकाएं Popular Sources (News, Weekly and Magazines) ○ सरकारी संस्थागत दस्तावेज (Government Institutional Documents) ○ शोध-प्रबंध और लघुप्रबंध (Theses & Dissertations) ○ ई-स्रोत,कोश (E- Resource, Encyclopedia, Britannica, American)	12 तासिकाएँ
	क) शोध-प्रबंध समाहार (Dissertation Collection) ○ उद्धरण (Quotation) ○ पाद-टिप्पणी (Foot notes) ○ संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography) ○ संगणक अनुप्रयोग (Computer application) ○ ई-साधन एवं तत्संबंधी तारतम्य (E-Tools and its Coordination)	12 तासिकाएँ

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

❖ प्रायोगिक कार्य (Practical work) :-

1) सेमिनार (Seminar) 10 अंक

2) साक्षात्कार (Interview) 10 अंक

3) शोध- रूपरेखा (Research Design) 10 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :70

सूचना –

1) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

2) पांच इकाईयों से कुल **8** लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

3) संपूर्ण पाठयक्रम से **20** वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

अंक विभाजन

(1)	आलोचनात्मक प्रश्न		3x10 = 30
(2)	लघूत्तरी प्रश्न	5x4	=20
(3)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		20x1 = 20
			70 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची **-**

1. शोध - प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. शोध - प्रविधि - कैलास पुस्तक सदन, भोपाल
3. शोध - प्रविधि - डॉ. पंकज सिंह
4. सामजिक अनुसंधान - राम आहुजा, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
5. शोध - प्रविधि - डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
6. शोध - पद्धतियाँ - डॉ. बी. एल फडिया, साहित्य भवन, पब्लिकेशन
7. व्यावहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियां, एस के मंगल शुभा मंगल
8. शोध - प्रबंध - पौराणिक देवशास्त्र एक अध्ययन
9. शोध - प्रविधि - हरीशकुमार खत्री, कैलास पुस्तक सदन, भोपाल
10. शोध - पद्धतियाँ - डॉ. बी.एल. फडिया, साहित्य भवन, पब्लिकेशन, जयपुर
11. व्यावसायिक संशोधन पद्धति - डॉ. अजिनाथ मारुती डोके, निराली पब्लिकेशन, नागपुर
12. राजनीति-विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि - डॉ. एस.एल.शर्मा, जयपुर Free Hindi Book.com
13. शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र - सच्चीदानंद टौडियाल एवं अरविंद फाटक, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
14. शोध- प्रभा - डॉ.राजेन्द्र प्रसाद जन्मशताब्द - स्मृत्यडंक, त्रैमासिक शोध पत्रिका
    प्रदान संपादक प्राचार्य डॉ.मन्डनमिश्र प्रकाशन श्रीलाल बहादुरशास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठम नई दिल्ली -110016
15. Intellectual Property Rights in India, V.K. Ahuja, Volume 1& Volume 2.
16. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश - खंड 6, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
17. हिंदी साहित्य ज्ञानकोश - खंड 7, संपा. शंभुनाथ और अन्य, भारतीय भाषा परिषद, कोलकता, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.
18. कॉपीराइट, कमलेश जैन, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली, 2008
19. मराठी विश्वकोश, “बौद्धिक संपदा” (Intellectual Property) शैला देसाई - (30/12/2022)

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati
Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi
(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option
Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**
Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC-I.1-2041	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	60

प्रस्तावना -

हिन्दी का आदिकालीन कम अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के अवदान की पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबंध मुक्तक आदि काव्य रूपों में रचित और अप अव एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य की परत काल को प्रभावित करने में सक्रिय एवं भूमिका रही है। इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन संभव नहीं है पूर्वकालीन (भक्तिकालीन) काव्य लोकजागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। उत्तरमध्यकालीन (रीतिकालीन) काव्य अपनी कलात्मक अध्ययन में इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धडकनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

Cos :

1. साहित्यकारों के साहित्यिक योगदान छात्रों को अवगत करना।
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से समाज और छात्रों को ज्ञानार्जन करना।
3. छात्रों में विद्यमान सुप्त कला गुणों को विकसित करना।
4. रचनात्मक लेखन का विकास करना।

एम. ए. भाग- (हिंदी)
प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र - DSC 1.1
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **Credits-4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	(क) मुख्य पाठ 1) विद्यापति विद्यापति पदावली संपादक - सूर्यबलीसिंह (आरंभ के 20 पद) 2) घनानंद : घनानंद कवित्त संपादक - विश्वनाथप्रसाद मिश्र (आरंभ के 20 पद) 3) कबीर : कबीर ग्रंथावली संपादक - श्यामसुंदर दास (गुरुदेव को अंग, विरह को अंग भेष को अंग) प्रत्येक अंग की प्रारंभिक 20 साखियाँ 4) जायसी : पद्मावत संपादक -आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मानसरोदक खण्ड, नागमति वियोग खण्ड)	**30**
इकाई 2	**1)** अमीर खुसरो **2)** रैदास **3)** रहिम	**30**

	4) केशवदास **5)** पद्माकर	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रपत्र के पर एक पत्र लिखना होगा, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

२) परिसंवाद जिसके लिए के अंक 15 अंक निर्धारित है।

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :70

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर 10 अंक निर्धारित है। 2x10 =20

प्रश्न क्र 2: इकाई -1 के कवियों पर अथवा कविताओं पर 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित है। 2x10 = 20

प्रश्न क्र 3: इकाई-2 के प्रत्येक कवि पर एक-एक लघुतरी प्रश्न इस प्रकार कुल 6 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 2x5 = 10

प्रश्न क्र 4: संपूर्ण पाठयक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

Programme: M.A.1, Hindi Semester-I

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC -II.1- 2041	हिंदी साहित्य का इतिहास	60

प्रस्तावना-

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृति दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप यहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है। फलत: साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा-परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गुंज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवी नववीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों प्रवृतियों और भाषा शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है, इसका अध्ययन सार्थक एवं समीचीन है।

Cos :

1. छात्रों में नैतिक जीवन मूल्यों का विकास होगा।
2. हिंदी की विविध काव्य धाराओं से परिचित होंगे।
3. हिंदी साहित्य लेखन के आधारभूत सामग्री से परिचित होंगे।
4. रचनात्मक साहित्य निर्माण का कौशल्य विकसित होगा।

एम. ए. भाग - (हिंदी)

प्रश्न पत्र - DSC 2.1

हिन्दी साहित्य का इतिहास

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

प्रथम सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	❖ साहित्येतिहास की परंपरा :- ○ हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण की समस्याएं ○ हिंदी साहित्य के आधार एवं प्रमुख इतिहासकार	**20**
इकाई 2	❖ आदिकाल की पृष्ठभूमि :- ○ सिद्ध और नाथ साहित्य रासो काव्य ○ जैन काव्य ○ लौकिक साहित्य	**20**
इकाई 3	❖ मध्यकाल की परिस्थितियॉ :- ○ भक्तिआंदोलन ○ निर्गुण काव्यधारा और प्रमुख कवि ○ सूफी काव्यधारा और प्रमुख कवि	**20**

	○ कृष्ण काव्यधारा और राम काव्यधारा के प्रमुख कवि	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, जिसके लिए 15 अंक

निर्धारित है।

२) काव्यलेखन (स्वरचित) जिसके लिए के अंक 15 अंक निर्धारित है।

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :70

प्रश्न- 1 :- इकाई एक से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 2 x10 = 20 अंक

प्रश्न- 2 :- इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 1 x10 = 10 अंक

प्रश्न- 3 :- इकाई तीन से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 1 x10 = 10 अंक

प्रश्न- 4 :- इकाई 1, 2, 3 से कुल 6 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से कुल 2 प्रश्न हल करने होगे। 2 x5= 10 अंक

प्रश्न- 5 :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1अंक का होगा। 1 x20 = 20 अंक

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

Programme: M.A.1, Hindi Semester-**1**

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC III.1-2043	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60

प्रस्तावना -

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है। वह दृष्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना की आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जांच-परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

Cos :

1. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होगा।
2. भारतीय काव्य की अवधारणाओं से परिचित होगे।
3. आन्तरिक मूल्यांकन द्वारा छात्रों में कौशल का विकास होगा।
4. काव्य रचना का जान प्राप्त होगा।

एम. ए. भाग-1 (हिंदी)

प्रश्न पत्र - DSC 3.1

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

प्रथम सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ संस्कृत काव्यशास्त्र काम-लक्षण काव्य हेतु काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार ○ रस सिद्धान्त रस का स्वरुप, रसनिष्पति, रंग के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ○ अलंकार सिद्धांत मूल स्थापनाएं - अलकारों का वर्गीकरण ○ रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं	**30**
इकाई 2	○ वक्रोक्ति-सिद्धान्त वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, ○ ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ○ औचित्य सिद्धान्त प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

२) काव्य-रचना (स्वरचित) की निर्मिती करना/काव्य पाठ (विषय अध्यापक देंगे) जिसके लिए के अंक 15 अंक निर्धारित है।

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक :70

प्रश्न 1: इकाई एक से कुल चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे से दो प्रश्न करना अनिवार्य है। 2X15=30

प्रश्न 2: इकाई दो से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। 2X5=10

प्रश्न 3: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा। 2X5=10

प्रश्न 4: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

Programme: M.A.1, Hindi Semester-1

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE 1.A -2044	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) प्रेमचंद	60

प्रस्तावना-

हिन्दी साहित्य के इतिहास में प्रेमचंद का विशेष स्थान है। अतः उनका अध्ययन हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के लिये विशेष महत्व रखता है। प्रेमचंद ने बहुविध लेखन किया है परंतु कथाकार के रूप में उनकी विशेष ख्याति है। अतः विशेष अध्ययन में उनके इसी रूप को अधिक महत्व दिया गया है। उनके समग्र व्यक्तित्व कृतित्व का सघन अध्ययन अपेक्षित है।

Cos :

1. मानवीय मूल्यों का साहित्य।
2. साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी।
4. संघर्षो से लड़ने की प्रेरणा प्राप्त होगी।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE 1.1

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(अ) : प्रेमचंद

प्रथम सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ उपन्यास :- सेवासदन रंगभूमि	**30**
इकाई 2	○ कहानी :- बड़े घर की बेटी, पंच परमेश्वर, पूस की रात, दो बैलों की कथा, ईदगाह, नशा	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।
2) प्रेमचंद की किसी एक कहानी का Audio/ Video - अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुतिकरण के लिए अंक 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :70

प्रश्न 1: इकाई- 1 के प्रत्येक उपन्यास से एक व्याख्या होगी कुल तीन व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है। 1x10=10

प्रश्न 2: इकाई- 1 के तीनों उपन्यास से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक उपन्यास पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होगे। 2x15=30

प्रश्न 3: इकाई- 2 की कहानियों पर आधारित (प्रत्येक कहानी से एक प्रश्न) कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न पांच अंकों का होगा। 2x5=10

प्रश्न 4: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

Programme: M.A.1, Hindi Semester-1

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE 1.B -2045	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ब) जयशंकर प्रसाद	60

प्रस्तावना :

छायावाद समस्त विकास प्रक्रिया को समेटते हुए नई भावभूमि और नए-नए रूप विन्यास देने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। स्थूल इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति-साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक-प्रेम, उच्च नैतिक, आदर्श, देशभक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का स्वर लेकर जयशंकर प्रसाद का हिंदी साहित्य में अवतरण हुआ है। अत: प्रसाद का अध्ययन तथा मनन अति प्रासंगिक एवं अनिवार्य प्रतीत होता है। इसी उद्देश्य को लेकर कवि, नाटककार, कहानीकार एवं निबंधकार(विचारक) के रूप से परिचित कराना यहाँ आवश्यक समझा गया है।

Cos :

1. मानवीय मूल्यों का साहित्य।
2. साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी।
4. प्रसाद साहित्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त होगा।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE 2.1

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(अ) : जयशंकर प्रसाद

प्रथम सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ काव्य : आँसू, लहर एवं कामायनी	**30**
इकाई 2	○ कहानियाँ : पुरस्कार, आकाशदी, गुंडा, सालवती, देवरथ, आँधी	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।
2. जयशंकर प्रसाद की कहानियों पर समूह चर्चा के लिए अंक 15 अंक निर्धारित है।

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे पूर्णांक :70

प्रश्न 1: इकाई- 1 के प्रत्येक काव्य से एक व्याख्या होगी। 1x10=10

प्रश्न 2: इकाई- 1 के तीन काव्य कृतियों से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न(प्रत्येक काव्य कृति पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होगे। 2x15=30

प्रश्न 3: इकाई- 2 की कहानियों पर आधारित(प्रत्येक कहानी से एक प्रश्न) होंगे, ऐसे कुछ छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न हल करने होगे। प्रत्येक प्रश्न पांच अंकों का होगा। 2x5=10

प्रश्न 4: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 04 DSE 1.C

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(क) : प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम सत्र

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ हिन्दी के विभिन्न रुप - सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा. मातृभाषा, संपर्क भाषा. ○ कार्यालयीन हिन्दी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :- प्रारुपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण ○ पारिभाषिक शब्दावली - स्वरुप एवं महत्व , पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिध्दांत ○ ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली	**30**
इकाई 2	○ हिन्दी कम्प्यूटिंग - ○ कम्प्यूटर : परिचय, रुपरेखा, उपयोग, क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय ○ इंटरनेट : संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रखरखाव एंव इंटरनेट समय, मितव्ययिता के सूत्र ○ लिंक, ब्राऊजिंग ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊन लोंडिंग, अपलोडींग, हिन्दी सॉफ्टवेअर, पॅकेज.	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन :

1. वृत्तांत लेखन का व्यवहारिक कार्य जिसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे.
2. सुप्रसिद्ध मिडिया क्षेत्र का अवलोकन कार्य जिसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे.
   कुल अंक -30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी 2 प्रश्न पूछे जायेंगे। 15x2=30

प्रश्न क्र.2 : इकाई 2 से विकल्प के साथ 1 प्रश्न दीर्घोत्तरी पूछा जायेगा। 1x10=10

प्रश्न क्र.3 : इकाई 1 एवं 2 से 6 प्रश्न लघूत्तरी पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE 1.D -2047	(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ड) दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	60

प्रस्तावना :

वर्तमान युग में विश्व का स्वरुप लघूत्तर होता जा रहा है. दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा भूमंडलीकरण के इस दौर में हम सब निकट आ रहे है। आज जीवन गतिशील है और इस गति को और तीव्र किया है। सूचना और प्राद्योगिकीकरण की क्रांति से आज हमें सूचनाएँ इतनी गति से मिल रही हैं कि जीवन में कुछ भी अनजाना नही रहा। इस क्रांति में सर्वप्रमुख है दृश्य-श्रव्य माध्यम, जो घर-घर में उपलब्ध है। इन माध्यमों की प्रकृति एवं प्रवृत्ति को जानना वर्तमान युग में अत्यंत आवश्यक है क्योकि ये माध्यम हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन गए है। इस बात को नकारा नहीं जा सकता इस प्रश्नपत्र में इन माध्यमों को निकट से जानने का उद्देश तो है, साथ ही इन माध्यमों का मानवीय जीवन पर जो प्रभाव हो रहा है उस पर भी चिन्तन करना अपेक्षित है।

Cos :

1. मानवीय जीवन में सूचना और प्रौद्योगिकी की उपयोगिता का ज्ञान।
2. विविध संचार माध्यमों का छात्रों को जानकारी देकर रचनात्मक लेखन कौशल को बढ़ावा देना।
3. पुरातन और अधुनातन माध्यमों का परिचय होगा।
4. साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत किया जाएगा।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 04 DSE 1.D

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(ड) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन

प्रथम सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ माध्यमोंपयोगी लेखन का स्वरुप और प्रमुख प्रकार, हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, रेडिओ नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियों नाटक का अंतर, रेडियों धारावाहिक, रेडियों रुपांतर, रेडियों फैन्टेसी, संगीत रुपक, आलेख रुपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)	**30**
इकाई 2	○ टी.वी. नाटक की तकनीक, टेली-ड्रामा, टेली-फिल्म, डाक्यू-ड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य, संचार माध्यम के अन्य विविध रुप, साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रुपांतरण कला, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1. मीडिया से संबंधित सामग्री का लेखन, जिसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे।

2. टेक्नोलॉजी और बदलती दुनिया एक अवलोकन-प्रयोगिक कार्य (गुण-दोषों के साथ महत्ता), जिसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी 2 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x15=30

प्रश्न क्र.2 : इकाई 2 से विकल्प के साथ 1 प्रश्न दीर्घोत्तरी पूछा जायेगा। 1x10=10

प्रश्न क्र.3 : इकाई 1 एवं 2 से 6 प्रश्न लघूत्तरी पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-1)**

Part A

Programme : M.A. Part I (Hindi)

DSC-I.1Tutorial: **Skill Based**

Course Name : लोक साहित्य

कुल श्रेयांक : 2 (Credits: 2)

COs:

1. लोक साहित्य से छात्रों का परिचय करवाना।
2. लोक साहित्य के महत्व को विशद करना।
3. लोक साहित्य का सैद्धांतिक स्वरुप स्पष्ट करना।
4. मराठी, आदिवासी, मारवाड़ी, सिंधी, गुजराती लोक साहित्य से परिचित होना।
5. आदि के लोक साहित्य का अध्ययन करना।

Programme: M.A.1, Hindi

Semester-1

कुल श्रेयांक : 2 (Credits: 2)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC I.1-Tutorial	**लोक साहित्य**	30

एम. ए. भाग-1 (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSC I.1-Tutorial

Course Name : लोक साहित्य

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	लोक साहित्य: संकल्पना और स्वरुप भारतीय लोक संस्कृति और परंपरा लोक शब्द का अर्थ,परिभाषा और स्वरुप लोक साहित्य की परंपरा लोक साहित्य की विशेषताएं। लोक साहित्य का वर्गीकरण।	**10**
इकाई 2	लोक साहित्य के प्रकार: लोकगीत लोककथा , बोधकथा लोक नाट्य लोकोक्ति, मुहावरे	**10**
इकाई 3	कक्षा में प्रवेशित छात्र को अपनी-अपनी बोली भाषा के अनुसार अध्ययन की स्वतंत्रता होगी। इकाई-2 पर आधारित किसी भी लोक साहित्य के प्रकार पर छात्रों से सेमिनार लिये जायेंगे।	**10**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक

....

कुल अंक - 50

आंतरिक मूल्यांकन -

❖ प्रायोगिक कार्य (Practical work) :-

1) सेमिनार (Seminar) 25 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 1 घंटे पूर्णांक : 25

सूचना – 1) संपूर्ण पाठयक्रम से 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC I.2- 3205	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	60

Cos :

1. मानवीय जीवन मूल्य का विकास करना।
2. काव्य लेखन के लिए प्रेरित करना।
3. मध्यकालीन काव्य का मानवीय जीवन पर प्रभाव एवं सह-संबंध ज्ञान करना।
4. सामाजिक दायित्व के प्रति छात्रों में जागरूकता निर्माण करना।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 1 DSC I.2

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

द्वितीय सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	1) सूरदास :- भ्रमरगीत सार- संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 70 पद) 2) तुलसीदास :- सुंदरकांड (गीता प्रेस गोरखपुर) 3) बिहारीलाल :-बिहारी रत्नाकर-संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर प्रथम 50 दोहे) 4) मीराबाई :- मीरा पदावली - संपादक शम्भुसिंह, मनोहर रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर-1 (प्रथम 15 पद)	**30**
इकाई 2	द्रुतपाठ :- 1) नामदेव 2) भूषण 3) देव 4) गुरुगोविंद सिंह 5) सेनापति 6) दादू दयाल	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए 15अंक निर्धारित है।

2) रचनात्मक लेखन का छात्रों में विकास करना (स्व-लिखित काव्य) विषय का चयन अध्यापक करेंगे जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :

प्रश्न क्र. 1: इकाई एक के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल 4 व्याख्याएं पूछी जायेंगी जिनमें से 2 व्याख्याएँ लिखना अनिवार्य है प्रत्येक व्याख्या पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10=20

प्रश्न क्र. 2: इकाई एक के कवियों पर है 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित है। 2x10=20

प्रश्न क्र. 3: प्रश्न इकाई दो के प्रत्येक कृवि पर एक एक लघुत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल छह प्रश्न पूछे जायेगे, जिनमें से 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित है। 2x5 =10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।
प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 1x20=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC II.2 - 3206	हिंदी साहित्य का इतिहास	60

Cos :

1. छात्रों में नैतिक जीवन मूल्यों का विकास होगा।
2. हिंदी की विविध काव्यधाराओं से परिचित होंगे।
3. हिंदी साहित्य लेखन के आधारभूत सामग्री से परिचित होंगे।
4. रचनात्मक साहित्य निर्माण का कौशल्य विकसित हेगा।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 2 DSC II.2

हिंदी साहित्य का इतिहास

द्वितीय सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ रीतिकाल की परिस्थितियां :- काल-सीमा और नामकरण,लक्षण ग्रंन्थो की परम्परा ○ रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्व, रीतिसिद्व,रीतिमुक्त) ○ रीतिकाल की विशेताएं, प्रमुख रचनाकार	**20**
इकाई 2	○ आधुनिक काल :- प्रमुख परिस्थितियां ○ भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, ○ प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रमुख रचनाकर और उनकी रचनाएं	**20**
इकाई 3	○ हिंदी गद्य की विधाएं :- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का उद्भव एवं विकास	**20**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए 15अंक निर्धारित है।

2) स्वरचित कविता लेखन के लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 2 x10 =20

प्रश्न क्र.2 : इकाई 2 से एक प्रश्न दीर्घोत्तरी विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 1x10=10

प्रश्न क्र.3 : इकाई तीन से एक प्रश्न दीर्घोत्तरी विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 1x10=10

प्रश्न क्र.4 : इकाई 1 एवं 2 से 3 कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSC III.2 - 3207	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60

Cos :

1. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होगा।
2. पाश्चात्य काव्य की अवधारणाओं से परिचित होंगे।
3. आन्तरिक मूल्यांकन द्वारा छात्र में कौशल का विकास होगा।
4. काव्य रचना का ज्ञान प्राप्त होगा।

एम.ए. भाग (हिंदी)

प्रश्न पत्र - 3 DSC III.2

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

द्वितीय सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ पाश्चात्य काव्यशास्त्र :- ○ प्लैंटो - काव्य सिद्धांत ○ अरस्तु :- अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, ○ लौंचाइनस- उदात्त की अवधारणा ○ वर्ड्सवर्थ- काव्य भाषा सिद्धांत ○ मैथ्यू आर्नेल्ड- आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, ○ टी.एस. इलिइट-परंपरा की परिकल्पना, निवैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ, समीकरण	**15**
इकाई 2	○ सिद्धांत और वाद :- ○ अभिजात्यवाद ○ स्वच्छंदतावाद ○ मार्क्सवाद ○ मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद	**15**
इकाई 3	○ आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ :- ○ संरचनावाद ○ शैलीविज्ञान ○ विखंडनवाद ○ उत्तर-आधुनिकतावाद	**15**
इकाई 4	○ हिंदी आलोचना की प्रमुख	**15**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए 15अंक निर्धारित है।

2) किसी भी साहित्य विधा पर समीक्षा (विषय अध्यापक देंगे) के लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से कुल चार आलोचनात्मक पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा। 2 x15 =30

प्रश्न क्र.2 : इकाई 2 से कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। 1x10=10

प्रश्न क्र.3 : इकाई 3 और 4 पर आधारित कुछ छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 5x2=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

Part A

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE- 2.A - 3208	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) : प्रेमचंद	60

Cos :

1. मानवीय मूल्यों का साहित्य।
2. साहित्य के माध्यम से सत्यम् शिवम् सुंदरम् की अभिव्यक्ति जागृत होगी।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी।
4. संघर्षों से लड़ने की प्रेरणा प्राप्त होगी।

एम.ए.भाग-1 (हिन्दी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE- 2.A

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(अ) : प्रेमचंद

द्वितीय सत्र **Credits - 4**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ उपन्यास :- कर्मभूमि, गोदान, निर्मला	**30**
इकाई 2	निबंध : - ○ साहित्य का उद्देश ○ जीवन में साहित्य का स्थान ○ साहित्य में समालोचना ○ साहित्य और मनोविज्ञान ○ उर्दू , हिंदी, और हिन्दुस्तानी ○ भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

2) किसी भी भाषा एवं विधा के स्थानीय रचनाकार का साक्षात्कार के लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 के प्रत्येक उपन्यास से एक व्याख्या होगी।कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से एक व्याख्या हल करना अनिवार्य है। 1 x10 =10

प्रश्न क्र.2 : इकाई 1 के तीन उपन्यासों में से तीन प्रश्न दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक उपन्यास पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमें से दो प्रश्न हल करने होंगे। 2x15=30

प्रश्न क्र.3 : इकाई 2 के निबंधों पर आधारित (प्रत्येक निबंध से एक) छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे) जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंको का होगा। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE- 2.B - 2043	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (आ) : जयशंकर प्रसाद	60

Cos :

1. मानवीय मूल्यों का साहित्य।
2. साहित्य के माध्यम से सत्यम् शिवम् सुंदरम् की अभिव्यक्ति जागृत होगी।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी।
4. प्रसाद साहित्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त होगा।

एम.ए.भाग-1 (हिन्दी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE-2.B

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) -II

(अ) : जयशंकर प्रसाद

द्वितीय सत्र

Credits - 4

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	❖ नाटक :- चंद्रगुप्त ○ निबंध :- काव्य कला ○ उपन्यास :- कंकाल	**30**
इकाई 2	❖ कहानियाँ :- ○ प्रतिध्वनि ○ ममता ○ मधुआ ○ नशा ○ छोटा जादूगर ○ नीरा	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए 15 अंक निर्धारित है।
2) किसी भी भाषा एवं विधा के स्थानीय रचनाकार का साक्षात्कार के लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 के प्रत्येक कृति से एक व्याख्या होगी।कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से एक व्याख्या हल करना अनिवार्य है। 1x10 =10

प्रश्न क्र.2 : इकाई 1 के तीन उपन्यासों में से तीन प्रश्न दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न(प्रत्येक कृति पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमें से दो प्रश्न हल करने होंगे। 2x15=30

प्रश्न क्र.3 : इकाई 2 की कहानियों पर आधारित (प्रत्येक कहानी से एक) छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे) जिनमें से दो प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा. 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE- 2.C - 2043	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (इ) : प्रयोजनमूलक हिंदी	60

Cos :

1) पत्रकारिता, मीडिया लेखन, जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का स्वरूप स्पष्ट होगा।
2) दृश्य-श्राव्य माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
3) भाषा का आधुनिकीकरण,मानकीकरण, अनुवाद तथा हिंदी की प्रयुक्ति का विश्लेषण एवं अध्ययन।
4) साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत किया जाएगा।

एम.ए.भाग-1 (हिन्दी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE-2.C

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(इ) : प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय सत्र **Credits - 04**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	❖ पत्रकारिता स्वरुप एवं विभिन्न प्रकार :- ○ हिन्दी पत्रकारिता का सक्षिप्त इतिहास ○ समाचार लेखन कला संपादन का आधारभूत तत्व ○ व्यावहारिक प्रुफ शोधन ○ शिर्षक की संरचना, लीड इंट्रो एवं शिर्षक ○ संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार ○ पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख ○ प्रेस कानून एवं आचार संहिता	**30**
इकाई 2	❖ अनुवाद :- सिद्वांत और व्यवहार ○ अनुवाद का स्वरुप, क्षेत्र ○ प्रक्रिया एवं प्रविधि हिन्दी की प्रयोजनीयता में ○ अनुवाद की भूमिका ○ कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद ○ जनसंचार माध्यमों का अनुवाद ○ विज्ञापन के अनुवाद	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) पत्रकारिता से संबंधित समूह - सर्वेक्षण से प्रायोगिक कार्य इसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

2) मीडिया से संबंधित सामग्री का लेखन इसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी 2 प्रश्न पूछे जायेंगे। 15x2 =30

प्रश्न क्र.2 : इकाई 2 से विकल्प के साथ 1 प्रश्न दीर्घोत्तरी पूछा जायेगा। 10x1=10

प्रश्न क्र.3 : इकाई 1 एवं 2 से 6 प्रश्न लघूत्तरी पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 5x2=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

कुल श्रेयांक : 4 (Credits: 4)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE-2.D - 2043	विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन	60

Cos :

1. छात्रों को दृश्य-श्रव्य माध्यमों की उपयोगिता का ज्ञान होगा।
2. सिनेमा जगत के कार्य के प्रति रूचि बढ़ेगी।
3. विज्ञापन लेखन में रूचि का विकास होगा।
4. वैश्विक स्तर पर हिंदी के योगदान को समझेंगे।

एम.ए.भाग-1 (हिन्दी)

प्रश्न पत्र - 4 DSE-2.D

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन

द्वितीय सत्र **Credits - 04**

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ दृश्य माध्यमों के प्रमुख प्रकार, दृश्य माध्यमों में लेखन के मूलभूत सिध्दांत, ○ भारतीय सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, सिनेमा और हिंदी भाषा, सिनेमाई भाषा की विशेषताएँ, फिचर फिल्म लेखन, संवाद लेखन ○ साहित्यिक विधाओं का सिनेमा में रुपांतरण, सिनेमा जगत और हिंदी के प्रमुख रचनाकार, सिनेमा विकास में उनकी भूमिका तथा प्रदेय, सिनेमा में लोकतत्व, सिनेमा का लोकजीवन पर प्रभाव ○ सेंसर बोर्ड की स्थापना, अधिकार एवं आवश्यकता	**30**
इकाई 2	○ विज्ञापन का सामान्य परिचय ○ विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन ○ विज्ञापन का उद्देश्य ○ विज्ञापन की उपयोगिता एवं महत्व ○ विज्ञापन का स्वरुप, विज्ञापन का इतिहास ○ विज्ञापन के प्रकार ○ विज्ञापन के माध्यम ○ विज्ञापन निर्माण की प्रविधि ○ विज्ञापन के कलातत्व ○ विज्ञापन क्षेत्र में हिंदी भाषा का महत्व ○ व्यापार जगत- विज्ञापन और हिंदी भाषा ○ भूमंडलीकरण - बाजारवाद और विज्ञापन ○ वैश्विक स्तर पर विज्ञापनों में हिंदी भाषा का योगदान	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) <u>विज्ञापन लेखन-प्रायोगिक कार्य</u> इसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

2) <u>फिचर लेखन-प्रायोगिक कार्य</u> इसके लिए 15 अंक निर्धारित है।

कुल अंक - 30

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय :3 घंटे पूर्णांक : 70

प्रश्न क्र.1 : इकाई 1 से दीर्घोत्तरी 2 प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 2 x15 =30

प्रश्न क्र.2 : इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 1x10 = 10

प्रश्न क्र.3 इकाई 1 एवं 2 से छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे। 2x5=10

प्रश्न क्र.4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20x1=20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Faculty: Humanities Two years PG Degree of Hindi

(Two years - Four Semesters Master's Degree Programme-NEPv23 with Exit and Entry Option

Programme : M.A. Paper-1 **Hindi, (Sem-2)**

कुल श्रेयांक : 2 (Credits: 2)

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
DSE 2. D Tutorial	हिन्दी साहित्य और सिनेमा	30

COs:

1. साहित्य के सिनेमा में योगदान से छात्र परिचित होंगे।
2. हिन्दी सिनेमा से छात्रों को अवगत करवाना।
3. सिनेमा के तकनिक से परिचित करवाना।

Programme : M.A. Part I (Hindi)

DSE I.2-Tutorial

Course Name : हिन्दी साहित्य और सिनेमा

Credits - 02

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	○ साहित्य और सिनेमा का स्वरुप एवं महत्व :- ○ सिनेमा की व्युत्पत्ति, अर्थ, एवं परिभाषा ○ हिन्दी सिनेमा का विकासात्मक परिचय ○ हिंदी के उपन्यास और कहानियों का सिनेमा में योगदान	**10**
इकाई 2	○ सिनेमा का कलापक्ष :- ○ कथा, पटकथा लेखन ○ सिनेमा में गीत लेखन ○ सिनेमा में संगीत ○ सिनेमा में संवाद कौशल ○ सिनेमा में अभिनय ○ सिनेमा में नृत्य	**10**
इकाई 3	इकाई-2 के कलापक्ष पर आधारित छात्र किसी भी सिनेमा की आलोचनात्मक संक्षिप्त समिक्षा प्रस्तुत करेगा।	**10**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र -25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक

....

कुल अंक - 50

आंतरिक मूल्यांकन -

❖ प्रायोगिक कार्य (Practical work) :-

1) सेमिनार (Seminar) 25 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 1 घंटे पूर्णांक : 25

सूचना – 1) संपूर्ण पाठयक्रम से 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा।

उपर्युक्त सभी प्रश्न पत्रो के लियें संदर्भ ग्रंथ:-

1) काव्य में अभिव्यंजनावाद - लक्ष्मीनारायण सुधांशु
2) विद्यापति की काव्य प्रतिभा - डॉ.गोविंदराव शर्मा
3) विद्यापति युग और साहित्य- डॉ.अरविंद नारायण सिंह
4) विद्यापति और उनका काव्य- डॉ.शुभकार कपूर
5) महाकवि जायसी और उनका काव्य- डॉ.इकबाल अहमद
6) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ.शिवसहाय पाठक
7) जायसी का पद्भावत काव्य और दर्शन - डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
8) पद्मावत में काव्य संस्कृति और दर्शन - डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
9) कबीर एक अनुशीलन -डॉ.रामकुमार वर्मा
10) कबीर की विचारधारा - डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
11) युगपुरुष कबीर - डॉ.रामचंद वर्मा
12) कबीर - संपादक डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
13) सूरदास और उनका साहित्य - डॉ.मुंशीराम शर्मा
14) सूर की काव्य कला- डॉ.मनमोहन गौतम
15) सूरदास एक पुनरावलोकन - डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
16) भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य - डॉ.सत्येन्द्र पारीक
17) भ्रमरगीत एक अन्वेषण - डॉ.सत्येन्द्र
18) बिहारी काव्य का मूल्यांकन -डॉ.किशोरीलाल
19) घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा - डॉ. मोहनलाल गौंड
20) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद शुक्ल
21) तुलसी दर्शन- डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र
22) तुलसीदास का युग और काव्य- डॉ.राजपति दीक्षित
23) प्रेमचंद एक अध्ययन- डॉ.राजेश्वर गुरु
24) समस्यामूलक उपन्यासकार - डॉ.महेन्द्र भटनागर
25) प्रसादोत्तर नाटक एवं लक्ष्मीनारायण मिश्र u डॉ.विकल गौतम
26) काव्यशास्त्र - डॉ.भागीरथ मिश्र
27) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्वांत - डॉ.कृष्णदेव झारी
28) अरस्तू का काव्य शास्त्र - डॉ.नगेन्द्र
29) पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ.भगिरथमिश्र
30) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दांत - डॉ.कृष्णदेव शर्मा
31) नयी समीक्षा के प्रतिमान - डॉ.निर्मला जैन
32) हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन- डॉ.विकल गौतम
33) आधुनिक समीक्षा - डॉ.भगवत स्वरुप मिश्र
34) आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य- डॉ.शिवचरण
35) हिन्दी नाटक सिध्दांत और विवेचन - गिरीश रस्तोगी
36) हिन्दी नाटककार - जयनाथ नलिन
37) नाटक और रंगमंच की भूमिका -डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल
38) हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा
39) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि - डॉ.सत्यपाल चूघ
40) आघुनिक उपन्यास - विविध आयाम- विवेकीराय
41) रंग दर्शन - नेमीचंद जैन
42) रंग कर्म और मीडिया - डॉ.जयदेव तनेजा
43) हिन्दी:- उद्भव विकास और रुप - डॉ.हरदेव बाहरी
44) हिन्दी भाषा स्वरुप और विकास- डॉ.कैलाशचंद भाटिया
45) राजभाषा हिन्दी - डॉ.कैलाशचंद भटिया

46) प्रयोजनमूलक व्ययावहारिक हिन्दी - डॉ.ओमप्रकाश सिंहल
47) प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे
48) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
49) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दांत - डॉ.शांतिस्वरुप गुप्त
50) हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद शुक्ल
51) हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियॉ - जयकिसन प्रसाद
52) हिन्दी साहित्य का इतिहास - विजयपाल सिंह
53) जयशंकर प्रसाद - आचार्य नंददुलारे बाजपेयी
54) प्रसाद का काव्य - डॉ.प्रेमशंकर
55) कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन - डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
56) पंत जी का नूतन काव्य और दर्शन - डॉ.विश्वंभरनाथ उपाध्यय
57) रिचर्डस के आलोचक सिध्दांत - शंभुदत्त झा
58) हिन्दी भाषा का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय
59) सम सामायिक हिन्दी साहित्य - डॉ.बच्चन सिंह
60) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा - डॉ.विश्वदेव त्रिगुणायत
61) भाषा विज्ञान सैध्दांतिक विवेचन- डॉ.रविन्द्र श्रीवास्तव
62) भारतीय लिपीयोंकी कहानी - गुणाकर मुले
63) हिन्दी भाषा, राजभाषा और नागरीलिपी - डॉ.परमानंद पांचाल
64) हिन्दी के विशिष्ट आलोचक- नंदकुमार राय
65) भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितीज - डॉ.राममुर्ती त्रिपाठी
66) शैली विज्ञान - डॉ.विधानिवास मिश्र
67) संरचनात्मक शैली विज्ञान - डॉ.रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
68) सौदर्य शास्त्र के तत्व - डॉ.कुमार विमल
69) रस सिध्दांत और संदर्भ शास्त्र - निर्मला जैन
70) सौंदर्य शास्त्र - लक्ष्मण दत्त गौतम
71) मार्क्सवादी सौदर्यशास्त्र - मॅनेजर पांडेय
72) नई कहानी संदर्भ और प्रकृति- देवी शंकर अवस्थी
73) समकालीन हिन्दी कहानी - डॉ.पुष्प पाल सिंह
74) नई कहानी का स्वरुप विवेचन - डॉ.इन्दु रश्मि
75) हिन्दी निर्गुण संत काव्य - डॉ.रमा शुक्ला, अनुसंधान केन्द्र मुरादाबाद
76) डॉ.शंकर बुंदेले लिखीत समीक्षा कृति प्रेमचंद एवं रंगभूमि का जीवन दर्शन, अमन प्रकाशन, नागपूर
77) आधुनिक हिन्दी काव्य में व्यक्तिवादी प्रवृती और आंचम का काव्य- लेखक डॉ.सुभाष
78) राजभाषा हिन्दी विविध आयाम - लेखक डॉ.शंकर बुंदेले
79) संपादीत पुस्तक - प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद
80) समय के हस्ताक्षर एवं मध्यकाल के अनमोल रतन - लेखक डॉ.ज्योति व्यास
81) कबीर और तुकाराम का सामाजिक दर्शन - डॉ.त्रिवेणी नारायण सोनोने
82) प्रेमचंदोत्तर समाजवादी उपन्यासों की पृष्ठभूमी पर यशपाल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन- डॉ.एम.एम.कडू
83) लोकसाहित्य के प्रतिमान - कुंदनलाल उत्प्रेती
84) सिनेमा और संसार - उदययन वाजपेयी
85) नाट्यदर्शन - संगीता गुंदेचा
86) सिनेमा और समकालीन सिनेमा - अजय ब्रहमात्मज